जमालपुर कारखाने का विस्तार

***147. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
डा० महाबीर प्रसाद :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जमालपुर रेलवे वर्कशाप के विस्तार कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है और इस कार्य को कब तक पूरा कर दिया जायेगा ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

The Government, have under its consideration, plans to diversify activities in Jamalpur Workshop of Eastern Railway to balance reduction in steam locomotive Periodical Overhauling (POH) load. These activities include Periodical Overhaul of diesel mainline and diesel shunting locomotives, manufacture of cranes, Periodical Overhaul of cranes, manufacture of tower wagons for OHE maintenance on electrified route, manufacture of spare parts and components for diesel locos and wagons, etc.

With the gradual coming down of the steam loco PAH load, the work of diesel loco POH has been stepped up as well as manufacture of components of diesel locos, carriages and wagons.

During the Sixth Plan period, for modernising the workshop including the machinery and plant and other infrastructural facilities, this workshop has been allocated a sum of Rs. 1620 lakhs.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सभापति जी, यह आजादी का 38वां वर्ष है लेकिन दुनिया में जितने कारखाने हैं उनका विकास हर पंचवर्षीय योजना में होता आया है और जमालपुर कारखाने की अभी तक अवनति ही होती रही है । इसमें 22 हजार लोग काम करते थे जो अब घट कर 12 या 13 हजार रह गये हैं । पहले वाष्प इंजन हिन्दुस्तान का एकमात्र इंजन था । अब यह करीब-करीब समाप्त हो गया है और अब डीजल-विद्युत चालक इंजन का युग आ गया है । इस युग में इस कारखाने का काम बढ़ना चाहिये था लेकिन अभी तक बढ़ा नहीं । जो कुछ रेल मंत्री जी ने आश्वासन इस बार दिया है, शायद ही मुझे लगता है, रेलवे के इतिहास में इस कारखाने का प्रोग्रेस, उन्नति का शिलान्यास हो सके । मैं मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस कारखाने से, विश्व युद्ध में जो आवश्यक चीजों की विदेशों को जरूरत होती थी, उसकी पूर्ति हो जाती थी । आपके चितरंजन कारखाने में वह जरूरतें पूरी नहीं होती थी और दूसरे कारखानों ने भी किसी ने दो वर्ष, किसी ने चार वर्ष का समय मांगा था लेकिन इस कारखाने ने 6 महीने में वह सामान बना कर दिया । चाहे रेल के डिब्बे की कमी हो, चाहे क्रेन की कमी हो इन सब कमियों को पूरा करने में यह कारखाना सक्षम है । यहां पर कुशल कारीगरों की कमी नहीं है । इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि आपने जो 1620 लाख रुपये के आवंटन की बात सोची है इससे इस कारखाने का ओवरहाल नहीं होगा । क्या आप विचार करेंगे कि इस कारखाने को इस रेलवे लाईन का कारखाना न बना कर वाष्प इंजन, डीजल और विद्युत चालक इंजन, इनके कलपुर्जों की मरम्मत और इनको बनाने का काम इसमें हो सके और जो बजट का आवंटन किया है क्या उसमें वृद्धि की बात सोचेंगे ?

श्री सभापति : यह सवाल पहले भी उठा चुके है । This question whether this workshop should not be turned into a composite one for diesel and electric engines has been asked before also. I

don't remember the reply. You can answer.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Mr. Chairman, Sir, I entirely agree with the hon. Member that Jamalpur workshop is, perhaps, the oldest and the largest workshop on the Indian railways. Very recently I happened to visit the workshop. There has been a complaint not only by the hon. Member but some other Members also from Bihar that the Railways is neglecting the workshop. Initially, the workshop was designed to periodically overhaul steam locomotives. Activities have today been diversified considerably due to reduction in steam locomotives' load since 1960. Some of the activities which have already been established in the workshop in the last ten to fifteen years are: manufacture of steam cranes, manufacture of electrically operated lifting jacks, manufacture of ticket printing machines, etc. etc. The main emphasis at the present moment in this workshop and the major activities in Jamalpur workshop are periodical overhaul of diesel locomotices and manufacture of breakdown cranes. A work costing Rs. 3.15 crores has already been sanctioned in the workshop for setting up this facility and is now in progress. I have requested the General Manager of the workshop to expedite the work so that sanctioned money may be spent and expansion of the workshop is expedited and the potentialities of employment are also expanded giving proper training to local boys. In 1983-84, 22 diesel engines have been given periodical overhaul in Jamalpur workshop. By the end of the Sixth Plan, the out-turn will be 36 main line and 36 shunting locomotives. The staff strength of the Jamalpur workshop was approximately 12,600 in 1947 and is today 14,000. During the Sixth Plan period 16.20 crores have been allotted to Jamalpur workshop. I don't think you can find anywhere else we have given so much money as we have given to Jamalpur workshop. And still we are criticised that nothing is being done. In one year, 1983-84, a sum of Rs. 1.83 crores is expected to be spent which shows that the invetsment aspect has not been neglected as some hon. Members think. Mr. Chairman, Sir, I have told the General Manager to spend the money to modernise the entire factory and also to see the potentialities or more employment to the local boys if the situation demands. I have told them to give them proper training and they may be absorbed in this workshop. So, I don't think, Mr. Chairman, Sir, that we are in any way neglecting this workshop.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सभापति जी, मुझे मंत्री जी से शिकायत है । मैंने यह बात नहीं कही मन्त्री जी को शायद कभी कभी हिन्दी समझने में कठिनाई होती है । मैंने कहा कि इनके जमाने में पहली बार इतना रुपया इस को दिया गया है । यह अगर शिकायत है तो मुझे कुछ नहीं कहना है । मैं एक दूसरी बात यह मन्त्री जी से कहना चाहता हूं कि इस कारखाने में एक सब से बड़ी शिकायत चोरी की है, माल और सामान के चोरी की है जिसमें रेलवे कर्मचारी भी इनवोल्व रहते हैं । आज तो इनका इतना बड़ा गैंग बन गया है कि अब रेलवे कर्मचारियों को भी रोकना इनके लिए बड़ा मुश्किल हो रहा है । यह जो आपने 16 करोड़ से अधिक खर्च करने के लिए कहा है जिससे कारखाने का ओवर-हाल होगा अगर इसका दुरुपयोग और चोरी इसी प्रकार चलती रही तो इसका कितना अंश आपके विकास में लगेगा, कितना अंश चोरी चला जाएगा, इस पर सुरक्षात्मक दृष्टि से, इसका प्रोपर युटीलाइजेशन हो इसके लिए और कोई व्यवस्था करने जा रहे हैं क्या ?

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Mr. Chairman, Sir, I have said that I myself went there and spent some time.

MR. CHAIRMAN: What do they pilfer?

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Sir, pilferage is the thing

which our railway protection force is looking after very well.

MR. CHAIRMAN: I do not understand. What do they steal?

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: There are various components of the parts and various components were in the manufacturing stage. The allegation is that they take them away and sell them elsewhere outside.

MR. CHAIRMAN: Anyway, you keep an eye on it.

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: We are keeping an eye on it and I can assure the House and the hon. Members that we shall leave no stone unturned to see that every penny of the money that we are giving is fully utilised.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : सभापति महोदय, माननीय जगदम्बी प्रसाद यादव जी ने जो अभी प्रश्न किया सरकार को इसकी जानकारी बहुत पहले से रही है और वहां अखबारों में आया है वहां की मजदूर यूनियनों की तरफ से और हम लोगों ने भी पत्र लिख कर सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है । लेकिन अब तक वहां लाखों रुपयों के माल की चोरी होती रही है उसको रोकने में सरकार की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।

श्री सभापति : बता रहे है कि वहां पर कार्यवाही हो रही है, बन्दिश भी हो रही है ।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : अगर कोई कार्यवाही हुई होती तो कोई न कोई पकड़ा जाता, हम लोग सुनते कि चोरी में इतने पकड़े गये, अफसर पकड़े गये या दूसरे पकड़े गये चोर पकड़े गये, इतने लोगों पर मुकदमा चला और इतने लोगों को सजा हुई । क्या वे यह नहीं देखते है कि कीमती सामान पीतल और ताम्बा बारे के बोरे बिका होता रहता है लेकिन अब तक सरकार ने अगर इसको नियन्त्रण करने के लिए कोई कार्यवाही की है तो उसमें कितने पकड़े गये है, कितने सरकारी अधिकारी पकड़े गये या कोई रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये, बाहर के चोर पकड़े गये, सरकार के पास इसकी कोई जानकारी नहीं है । इसको रोकने के लिए सरकार रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स पर ही विश्वास न करे क्योंकि उन्हीं के प्रोटेक्शन में चोर चोरी करते है । वह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स नहीं है वह तो चोर प्रोटेक्शन फोर्स है । इस से बचने के लिए रेलवे में आप क्या इन्तजाम करेंगे ?

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Mr. Chairman, Sir, while opinions vary, whatever the hon. Member may say....

MR. CHAIRMAN: Have you caught anybody?

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: ..... with regard to the railway protection force, I think they are doing a very good job. Now, you see, as I said, we are looking very much into the fact that modernisation takes place. About the arrests, I will not be able to tell the details, they are not with me. But I will very much appreciate it the hon. Member..

MR. CHAIRMAN: .... gives you the information.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Not only gives me the information but also accompanies me. I would like him to visit the workshops with me and address the workers.

MR. CHAIRMAN: But you will have to take with you three Yadavs.

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY: That is another story. It is no use making sweeping allegations. (*Interruptions*). Mr. Chairman Sir,

kindly appreciate our position. If we do not invest money then we are told that we are neglecting. If we invest money, then we are told that the money is being taken away by somebody. We just do not know what to do. We pray and I would humbly ask my friend, is he prepared to come along with me and address the workers that this is being done, as I had addressed the workers? I have spent at least 3 hours there with them. Is he prepared? Let him come. There is no use making sweeping statement.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मंत्री जी आप भागलपुर गये है, आपने कांग्रेस के विधायकों को, मंत्रियों को बुलाया लेकिन किसी विरोधी को नहीं बुलाया, निमंत्रण नहीं दिया । आज आप निमंत्रण देते हैं जबकि कल आप स्वयं गये हैं और किसी भी विरोधी विधायक को इन्होंने बुलाया तक नही . . . (**व्यवधान**)

यह सवाल इसलिए उठा कि मंत्री जी ने अभी इन्वाइट किया । अभी तुरंत भागलपुर गये हैं । जो केन्द्र के मंत्री जाते है वे वहां के सांसदों को निमंत्रित कर देते है लेकिन इन्होंने इतनी करटेसी नही की । आप जब भी जायेंगे तो हम लोग आपको सहयोग देने के लिए हर समय तैयार होंगे . . . (**व्यवधान**)

श्री रामानन्द यादव : पोलिटिकल फायदा उठाना है इसलिए जाने के लिए तैयार है ।

श्री सभापति : आप दावत दी है आप जाइये ।

श्री रामानन्द यादव : मान्यवर, मैं रेल मंत्री जी को बधाई दिये बिना नही रह सकता कि जो जमालपुर का कारखाना सड़ रहा था, बरबाद हो रहा था उसमें इन्होंने . . .

श्री सभापति : जान डाल दी है ।

श्री रामानन्द यादव : इसको रिनोवेट करने के लिए काफी पैसा दिया है और उसके एक्सपैंशन के लिए भी दिया है । हम सब लोग यहां कम्प्लेंट करते हैं, जब रेल बजट आता है, कि नेगलेक्ट हो रहा है, नेगलेक्ट हो रहा है और जब पैसा दिया तो हुक्मदेव नारायण यादव और जगदम्बी प्रसाद यादव जी कहते है कि चोरी हो रही है ।*

** (**व्यवधान**)

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : ** . . . (**व्यवधान**) आप चलिए तो बता दूं . . . (**व्यवधान**)

श्री रामानन्द यादव : यही आप लोग करते है । मुझे बेहद खुशी है कि इन्होंने उसके एक्सपैंशन के लिए काफी प्रयास किया है . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आपने एक सवाल किया*

श्री रामानन्द यादव : और सीनाजोरी भी करते है ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : *

श्री रामानन्द यादव : उन्ही के जिले में वह कारखाना पड़ता है । खुद आप के ही लोग इम्प्लायज है . . . (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए ।

श्री रामानन्द यादव : आपने एक्सपैंशन के लिए इतना पैसा दिया । एक जमाना था जबकि इस कारखाने मे 24 हजार लोग काम करते थे ।

श्री सभापति : 24 नहीं, 12 और 14 कहा है । अभी बताया है ।

*Deleted as ordered by the Chair.

श्री रामानन्द यादव : मंत्री जी बेनीफाइ करें . . . **(व्यवधान)** लेकिन हम लोगों की जो इन्फारमेशन है अनआफिशियली, हो सकता है गलत हो लेकिन 24 हजार लोग एक जमाने में उसमें काम करते थे, आज घटकर 12 हजार आ गये है। यह पैसा जो उन्होंने दिया है और जो उसमें व्यवस्था की है उसमें इम्प्लायमेंट पोटेंशियलिटी काफी बढ़ जायेगी। मैं जानना चाहता हूं कि अभी जो उपकरण प्रोवइड करने के लिए या बनाने के लिए आपने पैसा दिया है उससे कितने परसेंट या कितने लोगों का इम्प्लायमेंट बढ़ सकता है, उनको मिल सकता है, यह मेरा पहला प्रश्न है ?

दूसरा इसके साथ साथ मान्यवर, यह देखा जाता है जनरली कि लोकल लोगों को, लोकल ट्रेनीज को नहीं लिया जाता है। इस बात की व्यवस्था होनी चाहिए कि जो ट्रेनीज लोकल हों, क्वालीफाइड हों उनको लिया जाये। हम लोगों के यहां लोग पहुंचते है, शिकायत करते है। जो रिक्रूटमेंट कमेटी उसमें बनती है उसको जरा इनलार्ज करने की कोशिश करनी चाहिए, उसको इनलार्ज करने की जरूरत है। जो परसोनल अफसर होते है वे ट्रेनीज को ठीक से सिलेक्ट नहीं करते है, लोकल लोगों को प्रेफरेंस नहीं देते है इससे वहां असंतोष फैला रहता है। मैं सरकार से दो बातें जानना चाहूंगा। पहली यह कि कितने वर्कर्स का इम्प्लायमेंट बढ़ेगा, दूसरा यह कि क्या सरकार वहां के रिक्रूटमेंट के लिए परसोनल अफसरों को इस बात की हिदायत देगी कि वे लोकल ट्रेनीज, लोकल वर्कर्स को बहाल करें, इम्प्लायमेंट प्रेफरेंस दें ?

MR. CHAIRMAN: The question is, when you are spending so much money, whether employment will increase and whether you will give it to the local people.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Sir, as per our figures, in 1947, the strength of the workers was 12,600.

MR. CHAIRMAN: You have said it.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: I have said it already.

MR. CHAIRMAN: 14,000 now.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: The hon. Member is not agreeing with the figure.

MR. CHAIRMAN: He says, it is 24,000.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: According to us, 24,000 workmen were never employed. I do not know...

श्री सभापति : मान गये।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : यह जो पर्मानेंट इम्प्लायीज है, उनका है। इम्परेरी लेबर को छांट रहे है। सन् 1942 का रेकार्ड देखिये, जो वर्कशाप में लेबर काम करती थी :

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Now, the question is, we are going in for modernisation. Modernisation means, new machinery will be installed and diversification of activities will take place Mr. Chairman, Sir, as you know, in modern days, if new machinery is to be installed, it means, mostly labour saving devices and all that.

MR. CHAIRMAN: Automation.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: But I have told the workers that there will be no retrenchment. Of course, we are going in for modernisation thoroughly. But there will be no retrenchment. Moreover, I have assured the local workers there. I have given positive instructions to the General Manager there to find out ways and means as to how they can expand and employ more local boys. I have repeated this just now. As I said already, if the situation demands, training would be given to the local boys and they have to be absorbed. The emphasis is on local boys.

MR. CHAIRMAN: Thank you.

SHRI RAMANAND YADAV: Thank you.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Mr. Chairman, Sir, the Railways have taken a loan from the World Bank for the modernisation of their workshops. Presumably, this amount of Rs. 16 crores and 20 lakhs is from that World Bank loan only. Would the hon. Minister tell us as to how much of this amount has actually been spent so far?

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: Mr. Chairman, Sir, I do not have the figure with me. The World Bank has given us loan in three instalments and I do not know whether we have exhausted all this loan. I do not know whether this is part of the World Bank loan. This much I know that this is budgetary allocation. And budgetary allocation normally does not come in the loan which we are taking from the World Bank and so on. When we require any imported equipment. We have to go by the terms of the World Bank loan, calling for global tenders and so on and this money is spent in the purchase of these equipment.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Is it in addition to the World Bank loan of Rs. 16 crores and 20 lakhs?

MR. CHAIRMAN: This is enough. Jamalpur has had enough. Last question.

श्रीमती मैमूना सुल्तान : चेयरमैन साहब, इस बात से हट कर कि चोर से कहो कि चोरी करे और पहरेदार से कहो कि होशियार रहे, मैं यह कहना चाहूंगी कि जमालपुर के अलावा यह रेलवे वर्कशाप के एक्सपेंशन का जो प्रोग्राम है, यह किसी और जगह भी आपने शुरू किया है, या करने वाले हैं, या नहीं ?

इस सिलसिले में मुझे सबमिशन करना था कि जहां तक मध्य प्रदेश का सवाल है, भोपाल उसका कैपिटल है, वहां पर इस किस्म की कोई भी एक्सपेंशन प्रोग्राम की कैमिलिटीज जो है, वह नहीं दी जा रही है। भोपाल का रेलवे स्टेशन तो आपने देखा ही होगा, कागज पर प्लानिंग जरूर होगी, पर उसका कोई नतीजा नहीं निकला है।

भोपाल का रेलवे स्टेशन तो आपने देखा ही होगा—भोपाल की जरूरत-जरूरत तो यह बिलकुल उसकी जो जरूरतें हैं, कैपिटल होने के नाते, वह भी पूरी नहीं होती हैं। एक दफा हमारे स्टेट मिनिस्टर, श्री सी० के० जाफर शरीफ को भी इस बारे में दिखाया था।

तो स्पेसिफिक सवाल यह था जबकि यह जो एक्सपेंशन का प्रोग्राम है, क्या मध्य प्रदेश में भी कोई ऐसा प्लान है, या शुरू करने वाले हैं, इसके बारे में क्या तजवीज है ?

MR. CHAIRMAN: Of Course, you don't have that in the question.

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY: That I do not have in writing, but normally speaking, we have started taking up expansion programme in almost all the workshops provided infrastructural facilities are there. Expansion programme means there must be certain infrastructural facilities. We are doing it item by item. If a particular workshop like Jamalpur has a lot of infrastructural facilities, we do lay emphasis on that workshop. Similarly we are laying a lot of emphasis on the Golden Rock Workshop in Tamil Nadu. I have visited the Workshop, given a lot of money and a lot of expansion work is being done. So, wherever infrastructural facilities are available we are doing expansion. So far as Bhopal is concerned, I will take note of it.

MR. CHAIRMAN: You can visit and see it.

Next Question.

SHRI S. W. DHABE: Sir, before you go to the next question I want to make one submission. Shri Ramanand Yadav used the word* are against two Members of this House. And epithet was returned by saying * These words should be deleted from the record as they are unparliamentary.

MR. CHAIRMAN: That was in humour.

SHRI S. W. DHABE: But that is on record.

MR. CHAIRMAN: That was said humorously. I do not think he meant it seriously.

SHRI S. W. DHABE: What he means is not material, what goes on record is material.

MR. CHAIRMAN: I will look into it. Don't get sensitive. If it is necessary, I will delete it.

Next Question.

Increase in price of palmolein oil

*148. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that fair price shops have raised the price of palmolein oil by Rs. 2 in July;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that prices of other imported oils have also been raised by Government; and

(d) what is the total cost, per tonne of imported palmolein and soyabean oils and their sale prices together with the break-up cost of purchase, freight, insurance, transport and interest charges as also duties levied during the current year?

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF ELECTRONICS AND IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI M. S. SANJEEVI RAO): (a) The information received from major palmolein consuming States indicates that the fair price shops have not raised the price of palmolein oil by Rs. 2/- per Kg. in July.

(b) Increase in the price of all edible oils in international market, higher transport cost, etc. necessitated increase in issue price of palmolein by Re. 1/- only per Kg.

(c) Yes, Sir.

(d) The price of imported edible oils vary from contract to contract. The average price for soyabean oil and palmolein per tonne is as under:—

*Deleted as ordered by the Chair.

	Soyabean oil (Rs.)	RBD Pamolein (Rs.)
Cost, Insurance and Freight (CIF) plus Customs Duty .	8645	8983
Landed cost (including Bank and landing charges) . .	8785	9125
Break-even cost (bulk) (including storage, handling and distribution expenses, rail road freight, reimbursement, interest on investment, sales tax equalisation etc. and interest on credit facilities to State Governments on RBD Palmolein	9847	10142
Tinning charges/Transportation charges	Not applicable	1250
Break-even cost (in tins)	Not applicable	11392 (Tinned)

The issue price to State Government is Rs. 8,000 per tonne in bulk and Rs. 9,500 per tonne in tins.